

हे प्रभु परम मनोहर ठाऊं, पावन पंचवटी तेहि नाऊं

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता प्राचीन श्री रामलीला मैदान दिन लीला में आगस्त मुनि आगमन, पंचवटी, सूर्योदय नासिका छेदन, खर दूषण वध की लीला का मंचन व्यासजी पुकार दत्त शास्त्री द्वारा तथा रात्रि लीला में पुष्प वाटिका, धूनुष यथा तथा राम विवाह की लीला मंचन रात्रि लीला के व्यास पंडित जानकी दास द्वारा कराया गया।

बन गमन के मध्य दंडक बन में प्रभु श्री राम जी की मुलाकात गिरदार जटायु से होती है, सभी मुनियों द्वारा प्रभु राम से प्रथमन की जाती है कि हे प्रभो! एक परम मनोहर और पवित्र स्थान है, उसका नाम पंचवटी है। हे प्रभो! आप दंडक बन को (जहाँ पंचवटी है) हैं। पवित्र कीमिए और श्रेष्ठ मुनि गोंतमजी के कठोर शाप को हर लींगिर।

भगवान श्री राम मुनियों की प्रार्थना सुन कर माता सीता तथा लक्ष्मीलाल जी पंचवटी में निवास करते हैं। पंचवटी में रावण की बात



भगवान के रूप को देख कर मोहित हो उत्तरी है और विवाह करने की इच्छा जाहिर करती है प्रभु राम कहते हैं देवी में पलीक्रिता विवाहित पुष्प हूँ आप मेरे छोटे भई लक्ष्मण से विवाह की बात

कर लींगिए, इस पर कुपित हो कर सूर्यनखा सीता माता पर झपटती है, जिस पर लक्ष्मण जी द्वारा सुपरनाथा की नासिका छेदन कर दिया जाता है।

पुष्पचती है और वे क्रोधित हो कर प्रभु श्री राम से युद्ध करने आते हैं और मार जाते हैं। आज के लीला में अतिथि हाई कोर्ट नैनीताल के न्यायाधीश अलोक

अभिमत



મેદભાવપૂર્ણ નીતિ

बच्चे से लेकर वृद्ध तक सङ्कों पर उत्तर आये। पर्वतीया भावर और तार्ही के सभी लोगों ने आंदोलन में दिस्ता लिया। १९०० में उत्तराखण्ड राज्य का गठन किया गया। १३ साल बाद राज्य सरकार ने राज्य आंदोलनकारियों को १० प्रतिशत कैसी वित्ती आरक्षण देने संबंधी एक बना दिया। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब किया है कि आरक्षण किस आधार पर दिया है इससे पूर्ण उत्तर व्यायालय ने इस मामले में फैसला दिया था कि राज्य आंदोलनकारियों को प्रवेश सरकार आरक्षण नहीं सकती। प्रदेश के सभी नागरिक राज्य आंदोलनकारी थे। यह सही है कि मुझे लोगों को आंदोलनकारी का श्रेय देना लाख लोगों के साथ अद्भुत होगा।

उत्तर प्रदेश का पर्वतीय क्षेत्र पिछड़ा होने के कारण पृथक राज्य उत्तराखण्ड की मांग चार दशक पूर्व उठी थी। वर्ष 1994 तक प्रभावित सभी बहावे के लिए यह अंगूष्ठ दरवा आया है।

उत्तराखण्ड राज्य बवान के लिए उग्र आदोलन हुआ। हिस्सा व कारण कई शहरों में कफ्टलूगू किया गया। महीनों तक स्कूल, कार्यालयों और बाजार बढ़ रहे। बच्चे से लेकर वृद्ध सड़कों पर उत्तर आये। पर्वतीय, भावर और लोकाई के सभ लोगों ने अंदोलन में हिस्सा लिया। वर्ष 2000 में उत्तराखण्ड राज्य का गठन किया गया। 23 साल बाद राज्य सरकार राज्य अंदोलनकारियों को 10 प्रसिद्धि शैक्षिणी आरक्षण देना संबंधी एक बना दिया। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब दिया।

सचेवन उपर्युक्त दिया हाईकोर्ट ने दायरी स्वरूप से जलाल बद्री किंवा इसे आधार पर दिया है? इससे पुरुषों और महिलाओं के बीच असमिका नहीं हो सकता। इसका अधिकार एक व्यायालय ने इस मामले में फैसला दिया था कि राज्य अंदोलनकारियों को प्रदेश सरकार आरक्षण नहीं दे सकता। प्रदेश के सभी नागरिक राज्य अंदोलनकारियों पर। यह सभी हैं मीडियर लोगों को अंदोलनकारियों का श्रेय देना लायेंगे। लोगों ने साथ भेदभाव होगा। बहुत से लोगों को राज्य अंदोलनकारियों का श्रेय देना लायेंगे।

बताकर पेंशन दी जा रही है। पेंशन के लिए राज्य आंदोलनकारियों का चयन किस मानक पर किया गया, यह पता वही है। सीधी तरी बात है कि जब उच्च व्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा है कि प्रदेश के सभी साधारिक राज्य आंदोलनकारियों थे तो फिर किसी आधार पर यह जिनें तुमने लोगों को पेंशन दी जा रही है। जो नवंबर, 2000 को राज्य का गठन होने के बाद वज्र तक राज्य स्थापना दिवस के आसपास राज्य आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण के लिए कुछ लोग ज्ञापन देते रहे हैं और उनमें से अधिकतर अब जीवित वही हैं। युग वृद्ध हो युके हो और उड़े आकर्षण की ओर झुक नहीं है। 30 साल बाद वज्र भी आत्मविभर्त हो गये हैं। पर्वतीय क्षेत्र को अलग राज्य बनाना का श्रेय क्षेत्रीय राजनीतिक दलों ने लेने और सत्ता हासिल करना का प्रयास किया, लेकिन जनता ने उड़े खारिज कर दिया उत्तरार्थंड राज्य का गठन केवल मैं भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने किया था। राज्य के लोग ने भाजपा को सत्तारूप किया। जनआकांक्षा पर खरी तरबे उत्तरवे पर दो बार कोण्ठ्रेस को भी सत्ता योगी राष्ट्रीय पार्टीद्वारा के सत्ता में होने से राज्य के द्वित राष्ट्र के साथ जुड़े हैं। केवल और राज्य में एक ही पार्टी की सत्ता होने से प्रदेश का विकास हो रहा है। सरकारी क्षेत्र में रोजगार की संभवताएं पूरे देश तक कम होती जा रही हैं, इसलिए आरक्षण नीति बेमानी होती जा रही है। आरक्षण की नीति से समाज में विकासियां पैदा हो रही हैं। केवल सरकार की भी बोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठक आरक्षण खल्म करने पर विचार करना होगा।

तीन दिवसीय इंटर स्कूल बैडमिंटन प्रतियोगिता

नैनीताल

हमारे संवाददाता

जिल ग्रीडो संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय इंटर स्कूल बैडमिंटन प्रतियोगिता का रविवार को समाप्त हो गया। प्रतियोगिता के सब जूनियर वर्ग में सेंट जोसेप के प्रब्रह्म और लॉन्स व्यु पालिक स्कूल के धीरो गोस्वामी ने अपने शानदार मैच से आयोजन में उपस्थित सभी अतिथियों का दिल जीत लिया। बता दें कि रविवार को सम्पूर्ण इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय धावक हरीश तविरी तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ खिलाड़ी सुरदर्शन लाल शाह व चंद्र लाल साह रहे। फ इनल मुकाबले में सब जूनियर बालक वर्ग मिंगल्स में औल सेंट के प्रब्रह्म वर्मा ने लॉन्स व्यु पालिक स्कूल के धीरो गोस्वामी को हाराकर सब जूनियर में फ़ाइनल अनन्त नाम किया।



का मुकाबला अपने नाम किया। सब जूनियर गर्ल्स में हफ्पन माइनर की समीयों जोशी ने पार्वती प्रेमा जाती की सान्ती शर्मा को हराकर फाईनल लाल साह बाल विद्या मंदिर की लावण्या रावत ने औल सेंट की जयती विट को हराकर फाईनल जीता। सीनियर वर्ग में श्रीद्वी बिठ ने औल सेंट कारोबोरो की जयतीविट को हराकर फाईनल अपने नाम किया जूनियर गर्ल्स डब्ल्स में औल सेंट की जयती शाह, चॉप रेफ री गौत्र नयल ने सभी स्कूलों तथा उनके कोच और खिलाड़ियों का आभार जताया साथ ही अंपायर उत्कृष्ट, सुर्याणी, अस्था, शुल्क व अधिकारी के साथ ही इतिहाव, अजय, पंकज, डॉ मनोज सिंह विष, अश्विनी, भानु, आदोक साह, मनीष शाह, कुंदन विठ, अंशुल साह, सुमित जेटी, भूपाल नयल, धीनेंद्र भारुती, रवि धेया तथा निर्वतमान पालिकाध्यक्ष सचिन नेगी ने सहयोग दिया।

सफलता पूर्णता का परिणाम

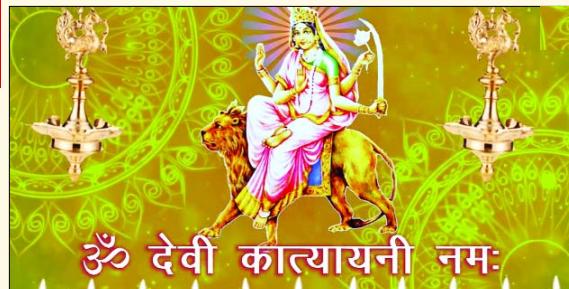
हल्दानी केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड इस वर्ष से कक्षा 6, 9 और 11 के लिए राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचे का एक पायलट लॉन्च (एनसीआरएफ) करेगा।

बीएलएम एकड़ी प्रधानाचार्य कहा कि हमें गर्व है कि बी एल ए अकादमी को सीवीएसई द्वारा इसका भाग लेने के लिए ऑर्मनिंग ग्राहन की गयी है। यह बीएलएम अकादमी की बड़ी उपलब्धि है कि ऐसे भारत : 28,000 स्कूलों में से बीएलएम अकादमी एनसीआरएफ में भाग ले वाले पायलटों में से है। हमें कहा गया है कि विश्वविद्यालय समस्त विशेषज्ञ हमारे छात्रों के साथ साथ हमारी सफलता के पाँचे प्रेरणा शक्ति रहे प्रत्येक व्यक्ति को बधादेता है।

सूचना

संवासधारण का सूचत क्रिया जाता है कि मैंने अपना नाम जितेन्द्र सिंह से बदलकर जितेन्द्र पाल सिंह रख लिया है, तो भविष्य में मुझे जितेन्द्र पाल सिंह नाम से पहचाना जाये। - जितेन्द्र पाल सिंह पुत्र करन सिंह डाइडिल गेट केनाल रोड, काठगोदाम, हल्द्वानी (नैनीताल)

**शारदीय नवरात्रि
नवरात्र के छठे दिन
की जाती है देवी
कात्यायनी की पूजा**



मां कात्यायनी की सत्ता विधि

भक्तों को सहाय दी जाती है कि वे नवरात्रि के छठे दिन जल्ली उठें, स्नान करें और साफ स्वस्थ धारण करें। फिर पूजा धर को साफ करें और यां कात्यन्यी की प्रतिमा पर ताजे फूल चढ़ाएं। कुमुक का तिलक लागाएं। इसके बाद वैदिक मंत्रों का जाप और प्रार्थना करें। यां को कमल का फूल अवश्य चढ़ाएं। फिर उन्हें थोग के रूप में शहद चढ़ाएं। आरती से पूजा को पर्ण करें और क्षमा पाठ्यनं इकट्ठे

समिति द्वारा बहुत ही सुंदर सांख्यकिति
कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। तथेचावा
द्वा आयोजन किया गया जिसमें हळ्डा
और उसके आसपास के रहने वाले
सभी अग्रवाल परिवारों द्वारा
सहभागिता करी गई। मुख्य अतिथि
वरिष्ठ व्यवसायी यशोदा नंद
अग्रवाल रहे।

कायक्रम में मुख्य रूप से अग्रवाल सभा अध्यक्ष नीरज प्रभात गर्ग, महासचिव मनोज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, सुरक्षक भगवान साहदिर्घ्य अग्रवाल, सचिव अग्रवाल पर्पण राकेश गर्ग, गोरांजलि अग्रवाल, दीर्घिका अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, वैश्य समाज अध्यक्ष रामबाबू जायसवाल, तरुण गुरु हरिनारायण गुरु गुरु, ओमप्रकाश साह, राजेन्द्र प्रसाद गुरु आदि उपस्थित रहे।

निगम कर्मचारियों ने यात्रियों स्वागत किया। उनके द्वारा उच्च हिमालय क्षेत्र से कूदा इकट्ठा कर धराचूला लाकर उसका निस्तारण किया गया। यात्रियों ने कुआँ मंडल विकास निगम के प्रबंधक दिनेश गुरुरामी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के तहत की जा रही महल की सरहाना की। कहा कि वह आजा बाट अपने घर पर भी पौधारोपण करेंगे। यात्रियों ने कुआँ मंडल विकास निगम की सरहाना की।

इस दौरान यात्रियों ने कहा कि उन्हें आदि कैलाश और ओम पर्वत के सुंदर दर्शन किए। उनके द्वारा काला पानी नाभीढांग व जैलिगंकाम में पौधोंरेपण यात्रियों का स्वागत करने वालों में बलवंत सिंह, संदीप रावल, हरीश ऐरी, गंडें थामी, ललित कुमार तथा बलवंत शामिल रहे।



